RNI No. DDHIN/2021/81605
संघ प्रदेश दमण से प्रकाशित एवं दानह तथा वापी-वलसाड़ में वितरीत होने वाला एकमात्र हिंदी साप्ताहिक
DARE TO SHARE

सुविचार

"ज्ञान एक ऐसा दीपक है जो आपके जीवन में प्रकाश फैलाता है।"

डेयर टू शेयर

www.daremedia.in

सूचना

दमण से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक समाचारपत्र 'डेयर टू शेयर' में प्रेस नोट एवं अपने आस-पास की घटनाओं को प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें- 9898109815/8000360011

मालिक / प्रकाशक : संध्या चौहान || संपादक : मनोज रावल || उप–संपादक : तुषार चौहान || वर्ष 4 || अंक : 47 || दमण शुक्रवार, 20 जुन 2025 || पृष्ठ 4 || मूल्य 4 रूपये || Email : dare.media24x7@gmail.com

मौत को दावत दे रहे हैं स्कूल संचालक? प्रशासन सोया रहा, मौत ने दी दस्तक

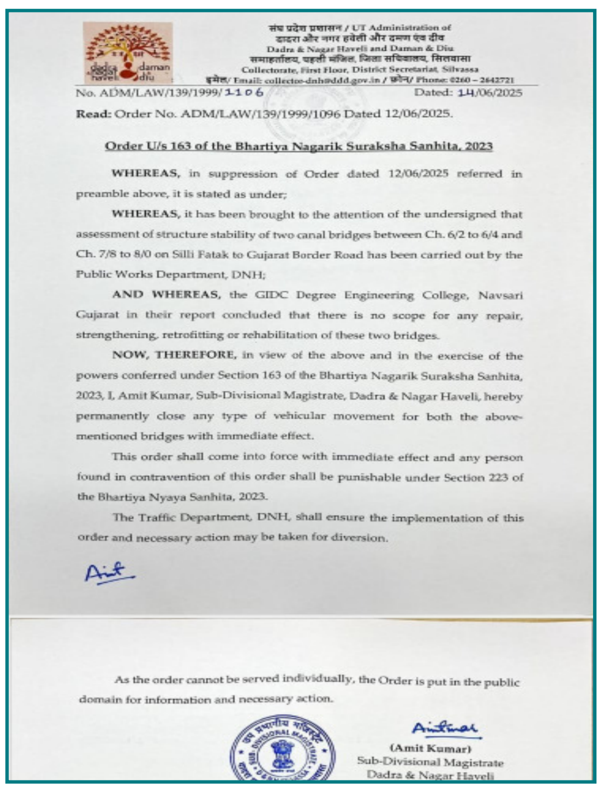

संघ प्रदेश प्रशासन / UT Administration of
दादरा और नगर हवेली और दमण एंव दीव
Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu
समाहर्तालय, पहली मंजिल, जिला सचिवालय, सिलवासा
Collectorate, First Floor, District Secretariat, Silvassa
इमेल/ Email: collector-dnh@ddd.gov.in / फ़ोन/ Phone: 0260 – 2642721

No. ADM/LAW/139/1999/1106 Dated: 14/06/2025

Read: Order No. ADM/LAW/139/1999/1096 Dated 12/06/2025.

Order U/s 163 of the Bhartiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023

WHEREAS, in suppression of Order dated 12/06/2025 referred in preamble above, it is stated as under;

WHEREAS, it has been brought to the attention of the undersigned that assessment of structure stability of two canal bridges between Ch. 6/2 to 6/4 and Ch. 7/8 to 8/0 on Silli Fatak to Gujarat Border Road has been carried out by the Public Works Department, DNH;

AND WHEREAS, the GIDC Degree Engineering College, Navsari Gujarat in their report concluded that there is no scope for any repair, strengthening, retrofitting or rehabilitation of these two bridges.

NOW, THEREFORE, in view of the above and in the exercise of the powers conferred under Section 163 of the Bhartiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, I, Amit Kumar, Sub-Divisional Magistrate, Dadra & Nagar Haveli, hereby permanently close any type of vehicular movement for both the above-mentioned bridges with immediate effect.

This order shall come into force with immediate effect and any person found in contravention of this order shall be punishable under Section 223 of the Bhartiya Nyaya Sanhita, 2023.

The Traffic Department, DNH, shall ensure the implementation of this order and necessary action may be taken for diversion.

As the order cannot be served individually, the Order is put in the public domain for information and necessary action.

(Amit Kumar)
Sub-Divisional Magistrate
Dadra & Nagar Haveli

जर्जर पुल पर बच्चों की परेड, आदेश की खुलेआम अवहेलना अधिकारी नदारद!

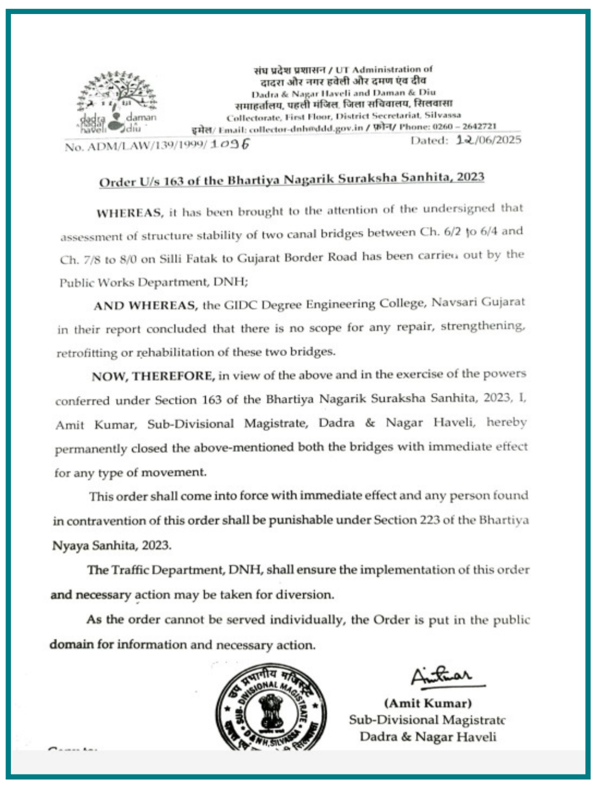

संघ प्रदेश प्रशासन / UT Administration of
दादरा और नगर हवेली और दमण एंव दीव
Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu
समाहर्तालय, पहली मंजिल, जिला सचिवालय, सिलवासा
Collectorate, First Floor, District Secretariat, Silvassa
इमेल/ Email: collector-dnh@ddd.gov.in / फ़ोन/ Phone: 0260 – 2642721

No. ADM/LAW/139/1999/1096 Dated: 12/06/2025

Order U/s 163 of the Bhartiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023

WHEREAS, it has been brought to the attention of the undersigned that assessment of structure stability of two canal bridges between Ch. 6/2 to 6/4 and Ch. 7/8 to 8/0 on Silli Fatak to Gujarat Border Road has been carried out by the Public Works Department, DNH;

AND WHEREAS, the GIDC Degree Engineering College, Navsari Gujarat in their report concluded that there is no scope for any repair, strengthening, retrofitting or rehabilitation of these two bridges.

NOW, THEREFORE, in view of the above and in the exercise of the powers conferred under Section 163 of the Bhartiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, I, Amit Kumar, Sub-Divisional Magistrate, Dadra & Nagar Haveli, hereby permanently closed the above-mentioned both the bridges with immediate effect for any type of movement.

This order shall come into force with immediate effect and any person found in contravention of this order shall be punishable under Section 223 of the Bhartiya Nyaya Sanhita, 2023.

The Traffic Department, DNH, shall ensure the implementation of this order and necessary action may be taken for diversion.

As the order cannot be served individually, the Order is put in the public domain for information and necessary action.

(Amit Kumar)
Sub-Divisional Magistrate
Dadra & Nagar Haveli

डेयर टू शेयर - सिलवासा

दादरा नगर हवेली प्रशासन द्वारा स्पष्ट आदेश के बावजूद, अद्वैता गुरुकुल स्कूल के छात्रों को 14 जून की सुबह सिल्ली के खस्ताहाल पुल से गुजारते देखा गया। जिला प्रशासन ने 12 जून 2025 को एक स्पष्ट आदेश (ADM/LAW/139/1999/1096) जारी करते हुए दोनों पुलों को स्थायी रूप से बंद करने का निर्देश दिया था, GIDC डिग्री इंजीनियरिंग कॉलेज नवसारी की रिपोर्ट के आधार पर, जिसमें पुल की मरम्मत या पुनर्निर्माण की कोई संभावना नहीं जताई गई। पर इसके बावजूद स्कूल संचालक ने न सिर्फ आदेश की अवहेलना की, बल्कि मासूम छात्रों की जान जोखिम में डाल दी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है।

2. आदेश धरे के धरे रह गए, बच्चों की

सुरक्षा से बड़ा क्या है स्कूल टाइम? ब्रिज बंद, लेकिन आदेश के बावजूद स्कूल प्रशासन ने बेरीगेट हटाकर कराया बच्चों को पार 12 जून को प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से ब्रिज को पूरी तरह बंद करने का आदेश दिया था, लेकिन 14 जून की सुबह अद्वैता गुरुकुल स्कूल के छात्रों और स्टाफ को वही जर्जर ब्रिज पार करते हुए देखा गया। सूत्रों के अनुसार, Federation of Industries Association की जिला कलेक्टर से मुलाकात के बाद 14 जून की शाम को एक संशोधित आदेश (ADM/LAW/139/1999/1106) जारी हुआ, जिसमें केवल "वाहनों की आवाजाही" पर प्रतिबंध था – जिससे भ्रम की स्थिति बन गई। इस अस्पष्टता का फायदा उठाते हुए स्कूल संचालक ने बच्चों को फिर से ब्रिज पार कराना शुरू कर दिया। सवाल यह है कि जब पुल को "जर्जर और असुरक्षित" घोषित किया जा चुका है, तो उसमें इंसानी जान को गुजरने देना कैसे तर्कसंगत है?

3. क्या दमन की 2003 की घटना को भूल गया प्रशासन? 28 मासूमों की मौत से नहीं ली सीख? सिल्ली में फिर मंडरा रहा है वैसा ही खतरा 2003 में दमण में एक खस्ताहाल ब्रिज गिरने से 28 बच्चों की मौत हुई थी। हाल ही में पुणे में भी ब्रिज की जर्जर स्थिति के चलते कई जानें गई। फिर भी दादरा नगर हवेली के सिल्ली में प्रशासन ने या तो आदेश स्पष्ट नहीं किया या उन्हें सख्ती से लागू नहीं करवाया। क्या कोई बड़ी अनहोनी होने तक हम जागेंगे नहीं?

प्रश्न जो खड़े होते हैं:

- क्या प्रशासन को स्कूल के समय में बदलाव कर घूमकर जाने के आदेश देने चाहिए थे?
- क्या कुछ किलोमीटर का चक्कर और थोड़े से ईंधन से बचने के लिए बच्चों की जान दांव पर लगाई जा रही है?
- क्या आदेश के उल्लंघन पर स्कूल संचालकों पर कोई ठोस कार्रवाई होगी?
- क्या अभिभावकों को अपने बच्चों की सुरक्षा की चिंता नहीं?

हादसे की जमीन तैयार हो रही है – जिम्मेदार कौन होगा?

दादरा की हालिया स्कूल दुर्घटना, जिसमें एक जर्जर इमारत गिरने से कई बच्चे घायल हुए थे, हमें आगाह कर चुकी है। अगर सिल्ली ब्रिज पर कोई अनहोनी होती है, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा — प्रशासन, स्कूल प्रबंधक, या मौन रहने वाले अभिभावक?

"एक आदेश ने ब्रिज को बंद किया, लेकिन लापरवाही ने उसे फिर से खोल दिया – यह दस्तक है मौत की।"

क्या आदेश सिर्फ कागजों में रह गया।

सार्वजनिक सूचना

Public Notice

डेयर टू शेयर (अखबार) / PUBLIC VOICE (यूट्यूब चैनल) के नाम पर कोई भी व्यक्ति या अपने आपको रिपोर्टर कह कर आप से किसी भी प्रकार की धनराशि की माँग करता है या आप को न्यूज के नाम पर ब्लैकमेल करता है, तो कृपया:

1. तुरंत अपने स्थानीय पुलिस को सूचित करें।
2. हमें वॉट्सएप या कॉल 9898109815, 8000360011 पर प्रमाण (स्क्रीनशॉट/रिकॉर्डिंग) के साथ सूचित करें।

हम ऐसी धोखाधड़ी एवं अनैतिक गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हैं

हम ऐसे अनैतिक और अवैध कार्यों को किसी भी प्रकार से समर्थन नहीं देते हैं। और प्रभावितों के साथ कानूनी कार्रवाई में पूर्ण सहयोग देंगे।

सतर्क रहें | जागरूक रहें | धन्यवाद।

प्रबंधन टीम
डेयर टू शेयर (अखबार)
PUBLIC VOICE (YouTube चैनल)
संपर्क:
मोबाइल नो. 9898109815, 8000360011

नोट: यह सूचना सभी पाठकों, व्यवसायों एवं सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए प्रकाशित की गई है। कृपया इसे साझा करके धोखाधड़ी रोकने में सहयोग करें।

"शिक्षा विभाग की नींद में बच्चों की चीखें भी न गूंजी!"

(गैरकानूनी स्कूल में छत गिरने से मासूम घायल, मगर प्रशासन बेखबर)

"बिना अनुमति, बिना सुरक्षा... फिर भी चलती रही 'घातक शिक्षा'!" (जर्जर इमारत में चल रही थी गुजरात की फर्जी स्कूल, हादसे के बाद खुली पोल)

"बच्चों की जान से खिलवाड़ पर भी चुप्पी... क्या शिक्षा विभाग सिर्फ नाम का है?"
(दादरा में बिना डेटा, बिना NOC के चल रही थी स्कूल, हादसे में घायल मासूम)

डेयर टू शेयर - सिलवासा

दादरा में बच्चों की सुरक्षा रामभरोसे: शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड में नहीं, मगर जमीनी हकीकत में चल रही थी फर्जी स्कूल! संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली के दादरा क्षेत्र में घटित एक भयावह और शर्मनाक हादसे ने शिक्षा विभाग की पोल खोल दी है। ठाकुर वीबीएस स्कूल, जो मूल रूप से गुजरात के लवाछा में पंजीकृत है, उसे चुपचाप दादरा की एक जर्जर इमारत में बिना किसी अनुमति और सुरक्षा संसाधनों के शिफ्ट कर दिया गया था। इस कथित "मोशनल अकादमी" के नाम पर जब यह स्कूल संचालित किया जा रहा था, तब ना तो दानह शिक्षा विभाग के पास इसका कोई डेटा था, ना ही स्थानीय पंचायत या फायर विभाग से कोई परमिशन ली गई थी। हैरानी की बात यह है कि बच्चों के आईडी कार्ड पर पता दादरा का था, लेकिन स्कूल गुजरात में पंजीकृत था। इससे साफ है कि शिक्षा की आड़ में किसी गंभीर साजिश को अंजाम दिया जा रहा था। कुछ दिन पहले जब अचानक स्कूल की छत गिर गई, तो बच्चों की चीखें सुनकर लोगों की नींद खुली। करीब एक दर्जन छात्र घायल हो गए, जिन्हें नमो अस्पताल सिलवासा में भर्ती कराया गया। हादसे ने शिक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था की नींव को हिला दिया है। अब सवाल यह है कि: जब यह इमारत जर्जर थी, तो प्रशासन ने इसकी जांच क्यों नहीं की? जब भवन मालिक मुकुंद देसाई ने यह इमारत किराए पर दी, तो क्या उसमें चलने वाले संस्थान की मान्यता, सुरक्षा और रजिस्ट्रेशन की जांच हुई? क्या बच्चों की सुरक्षा को मजाक समझ लिया गया है? यह घटना सिर्फ एक इमारत गिरने की नहीं, पूरा तंत्र गिर जाने का संकेत है। बच्चों की जान से खिलवाड़ कर शिक्षा का ढोंग करने वालों पर आखिर अब तक क्या कार्रवाई हुई? इस हादसे से बड़े हादसे की बू आ रही है, और यदि अब भी जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाला कल और भी भयावह हो सकता है। अब सवाल जनता का है – क्या बच्चों की कीमत पर यूं ही शिक्षा विभाग आंखें मूंदे रहेगा?

"स्मार्ट सिटी का 'स्मार्ट ब्रिज' पहली बारिश में ढह गया – विकास के दावों पर पानी फिरा!"

"आपदा में अवसर नहीं, समाधान लाई सांसद कलाबेन – मौके पर पहुंचकर जनता को दिलाया भरोसा"

नवनिर्मित पुल बहा, गाँव डूबे, खेत जलमग्न – तंत्र की लापरवाही पर जनता में आक्रोश

डेयर टू शेयर - सिलवासा

दादरा नगर हवेली में हाल ही की मूसलाधार बारिश ने स्थानीय प्रशासन की तैयारियों की असलियत सामने ला दी है। नमो मेडिकल कॉलेज (बालदेवी मार्ग) पर बना नवनिर्मित पुल पहली ही बारिश में पानी में बह गया, जिससे लोगों की सुरक्षा और करोड़ों की सरकारी लागत पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्मार्ट सिटी योजना के तहत बने इस पुल का पहली बारिश में टूट जाना, स्मार्टनेस पर सीधा तमाचा है। वहीं, अथाल फाटक में जल भराव की स्थिति भयावह बनी रही, जिससे आवाजाही ठप हो गई और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। दादरा, राखोली, नारोली, और सुरंगी जैसे क्षेत्रों के कई गाँव पूरी तरह जलमग्न हो गए, सैकड़ों घरों और दुकानों में पानी घुस गया, जिससे नागरिकों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। किसानों के खेतों में खड़ी फसलें डूब गईं, जिससे आर्थिक क्षति और बढ़ गई है। सांसद कलाबेन ने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि केंद्र और प्रशासनिक स्तर पर हर संभव मदद की जाएगी, और ये भी कहा कि निर्माण कार्यों में लापरवाही करने वालों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उनके साथ नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती रजनी शेट्टी, काउंसिलर सुमनभाई पटेल और पूरी टीम मौके पर उपस्थित रही

जनता के सवाल:

क्या बिना गुणवत्ता जांच के कामों को मंज़ूरी मिलती है?
लाखों-करोड़ों के बजट में बना पुल इतनी जल्दी कैसे बह गया?
क्या स्मार्ट सिटी सिर्फ कागज़ों पर ही स्मार्ट है?

प्रशासन मूकदर्शक, सांसद सक्रिय

जहाँ एक ओर प्रशासनिक अमला बारिश के बाद चुप्पी साधे बैठा रहा, वहीं दादरा नगर हवेली की सांसद श्रीमती कलाबेन मोहनभाई डेलकर ने आज दिनांक 19 जून 2025 को प्रभावित क्षेत्रों का त्वरित दौरा किया। उन्होंने मौके पर पहुँचकर खुद हालात का जायज़ा लिया और नगरपालिका के अधिकारियों, CO और अन्य संबंधित विभागों को फौरन राहत कार्य शुरू करने के सख्त निर्देश दिए।

संपादकीय

हेलीकॉप्टर दुर्घटना क्रम

उत्तराखंड के चारधाम क्षेत्र में एक और हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया है। एक हेलीकॉप्टर की खबर की स्याही सूखने से पहले ही दूसरा गिर जाता है। यह सिलसिला लंबे समय से चल रहा है। नियमों की अनदेखी, लापरवाही और ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने की होड़ का यह नतीजा है। हर व्यवस्था की खूबसूरती यही होती है कि जब कमाई ही सर्वोच्च लक्ष्य हो तो इंसान के धड़कते दिल की कोई कीमत नहीं रह जाती। यात्रा पर जाने के बाद वापस आने पर खुशी होती है। उस खुशी या उस भक्ति का क्या फायदा जो एक जिंदगी को जिंदा रखे और उसके सिर पर लटकती मौत की तलवार दिखाए। अकेले मई-जून में हुए पांच हेलीकॉप्टर हादसे, जिनमें 13 लोग मारे गए, बताते हैं कि पिछली घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया गया है और सरकार की कार्रवाई का हेलीकॉप्टर संचालकों पर कोई असर नहीं हो रहा है। हाल ही में केदारनाथ से लौटते समय गौरीकुंड के पास एक हादसा हुआ। वजह खराब मौसम बताई जा रही है। नियमों का पालन न करने पर संबंधित कंपनी आर्यन एविएशन के अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। लेकिन इससे यह सवाल भी उठता है कि जब मौसम अनुकूल नहीं था तो उड़ान कैसे कराई गई- क्या हेलीकॉप्टर सेवा पर निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं है? कुछ दिन पहले ही इस मामले में एक कंपनी के दो पायलटों पर कार्रवाई की गई थी। हालांकि, दूसरी कंपनी फिर से वही गलती दोहरा रही है। इसका मतलब यह है कि सरकारी नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना या सजा इतनी मामूली है कि किसी को इसका डर नहीं है। उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों की संख्या काफी बढ़ गई है और हेलीकॉप्टर सेवा भी बढ़ गई है। लेकिन, सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कई आरोप लगते रहे हैं। चूंकि यात्रा सीजन सीमित होता है, इसलिए ज्यादातर कंपनियां ज्यादा से ज्यादा उड़ानें भरने और मुनाफा कमाने पर ध्यान देती हैं ताकि खजाना भर सके। यही कारण है कि कभी उत्तरकाशी जैसे हादसे होते हैं तो कभी सड़क पर हार्ड लैंडिंग की तस्वीरें सामने आती हैं। इसका एक पहलू पर्यावरण पर पड़ने वाला नकारात्मक असर भी है। विमानन विशेषज्ञों का मानना है कि चारधाम रूट खासकर केदारनाथ रूट पायलटों के लिए सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण है पायलटों को आगे बढ़ने के लिए सिर्फ अपनी आंखों पर भरोसा करना पड़ता है, लेकिन उस ऊंचाई पर, जहां मौसम अचानक बदल जाता है, यह बहुत खतरनाक है। इसके अलावा, कंपनियों का लालच इस जोखिम को और भी बढ़ा देता है। इंसान की आंखें प्रकृति ने मुख्य रूप से सामने देखने के लिए बनाई हैं। नीचे देखना पक्षियों की रोजमर्रा की आदत है, इंसानों की नहीं। फिर भी विमानन मुख्य रूप से गणित पर आधारित है। यह एक गणितीय खेल है। यही कारण है कि पायलट की गणना शायद ही कभी गलत होती है। विमान की गति कल्पना से परे है। यह एक तकनीकी शब्द है। वहां केवल गणित काम करता है। चारधाम के पायलटों को सिर्फ अपनी आंखों पर भरोसा करके काम करना पड़ता है, क्योंकि जब नियंत्रण टॉवर से कोई समर्थन नहीं है, तो काल्पनिक गणित कैसे काम कर सकता है? कुछ दिनों पहले, डीजीसीए (नागरिक विमानन महानिदेशक) ने चार धाम गलियारे में उड़ानों की संख्या आधी कर दी थी और उत्तराखंड नागरिक विमानन विकास प्राधिकरण के नियंत्रण कक्ष में अपने अधिकारियों को भी नियुक्त किया था। हालांकि, इसके साथ ही हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों पर नियंत्रण करने की भी जरूरत है। देश के किसी भी अन्य हिस्से की तुलना में हिमालय के आसपास उड़ान भरते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना जरूरी है। यहां तक कि देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी भी हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। सैन्य हेलीकॉप्टर शायद ही कभी विफल होते हैं। जब भी हिमालय की तलहटी में बर्फबारी होती है, तो दृष्टि शून्य होने का खतरा होता है। निजी कंपनियां कम अनुभव वाले पायलटों को अधिक भर्ती करती हैं ताकि उनका वेतन ढांचा कम किया जा सके। ऐसी शिकायतें भी हैं कि ये कंपनियां अनुभवी पायलटों को वह पारिश्रमिक नहीं देतीं जो वे चाहते हैं। केंद्र सरकार के पास निजी हेलीकॉप्टर सेवाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए कोई विशिष्ट प्रणाली नहीं है, जो नरम दिल भक्तों के लिए सजा है।

संपादक: मनोज रावल

उमरसादी माछीवाड़ रोड से 13 किलो गांजा के साथ 2 गिरफ्तार

डेयर टू शेयर - पारडी

वलसाड जिले के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने पारडी थाना क्षेत्र के उमरसादी माछीवाड़ रोड से 2.133 किलोग्राम गांजा के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एसओजी पुलिस ने पारडी के उमरसादी गांव में माछीवाड़ रोड पर साईनाथ अपार्टमेंट के पास खुले मैदान में संदिग्ध हालत में खड़े आकाश महेशभाई पटेल, 25, डुंगरी फलिया, पारडी दामनी झापा निवासी और प्रीतेश शिवभाई पुजारी, 23, उमरसादी गांव, साईनाथ अपार्टमेंट को देखा। पुलिस उनके पास पहुंची और जांच के दौरान 2.133 किलोग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत 21,330 रुपये है। आगे की जांच के दौरान उनके पास से 80,000 रुपये की होंडा बाइक और 1,03,330 रुपये का मोबाइल जब्त किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की गई है। हालांकि पुलिस ने इस मामले में कपराड़ा वीरक्षेत्र के गंगोडापाड़ा फलिया के मोहनभाई डोडका को वांछित घोषित किया था।

डेंगू-मलेरिया पर दमण में शिक्षक जागरूकता बैठक आयोजित

नोडल शिक्षकों को दी गई मच्छर जनित रोगों की रोकथाम की विशेष ट्रेनिंग

डेयर टू शेयर - दमण

चिकित्सा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, दमण द्वारा आदिवासी भवन, मोटी दमण में डेंगू और मलेरिया की रोकथाम हेतु स्कूलों के नोडल शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण-सह-जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य शिक्षकों को मच्छर जनित रोगों के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपने स्कूलों में इन बीमारियों की रोकथाम के लिए सक्षम बनाना था। बैठक में विभिन्न स्कूलों से आए शिक्षकों को डेंगू और मलेरिया के कारण, लक्षण, संचरण के तरीके और रोकथाम के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान, उनकी सफाई, व्यक्तिगत सुरक्षा उपाय और विद्यालय स्तर पर समुदाय में जागरूकता फैलाने की रणनीतियाँ शामिल थीं। उपस्थित शिक्षकों को प्रशिक्षण सामग्री और पैम्फलेट भी वितरित किए गए, ताकि वे छात्रों और अन्य स्टाफ को प्रभावी रूप से शिक्षित कर सकें। विश्व मलेरिया दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता हुए सम्मानित इस अवसर पर विश्व मलेरिया दिवस 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन छात्रों को सहायक शिक्षा निदेशक, दमण के हाथों से सम्मानित किया गया। यह प्रतियोगिता छात्रों के बीच मलेरिया के प्रति समझ और सजगता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी। प्रशिक्षण के अंत में नोडल शिक्षकों ने यह आश्वासन दिया कि वे डेंगू-मलेरिया नियंत्रण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए छात्रों को इन बीमारियों से बचाव के लिए शिक्षित करेंगे।

दमण पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए युवतियों को फंसाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया

दो आरोपियों को गिरफ्तार कर युवती को सुरक्षित बचाया

डेयर टू शेयर - दमण

दमण पुलिस ने एक गिरोह को पकड़ा है जो सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से युवतियों को अनैतिक गतिविधियों में ढकेल रहा था। पुलिस ने डमी ग्राहक बनकर ऑपरेशन चलाया और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। युवती को सुरक्षित बचाते हुए पुलिस ने मानव तस्करी के इस नेटवर्क को तोड़ा। "पैसों का लालच देकर युवतियों को फंसा रहे थे आरोपी"** दमण पुलिस ने होटल में छापेमारी कर गिरोह का भंडाफोड़ किया दमण पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो युवतियों को सोशल मीडिया पर फंसाकर अनैतिक कार्यों के लिए मजबूर कर रहे थे। पुलिस को खुफिया जानकारी मिलने के बाद होटल में ऑपरेशन चलाया गया, जहां आरोपी एक युवती के साथ पकड़े गए। युवती ने बताया कि उसे पैसों के लालच में फंसाया जा रहा था।

"मानव तस्करी का नेटवर्क खत्म, दो बंगाली आरोपी गिरफ्तार"** दमण पुलिस ने अनैतिक गतिविधियों में लिप्त गिरोह का किया पर्दाफाश दमण पुलिस ने पश्चिम बंगाल के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मानव तस्करी के एक नेटवर्क को ध्वस्त किया है। आरोपी सोशल मीडिया के जरिए युवतियों से संपर्क कर उन्हें अनैतिक कार्यों के लिए प्रेरित करते थे। पुलिस ने डमी ऑपरेशन के तहत आरोपियों को होटल में घेरकर पकड़ा। अब पुलिस अन्य संभावित आरोपियों की तलाश में जुटी है।

वापी के 2 लोग सरीगाम से संदिग्ध अवस्था में घूमते पकड़े गए

डेयर टू शेयर - वापी

सोमवार रात सरीगाम जीआईडीसी क्षेत्र में पुलिस गश्त देख भागने की कोशिश कर रहे वापी, चिरी के दो लोगों को पकड़ा गया। वे सरीगाम क्षेत्र में क्यों घूम रहे थे, इसका वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सरीगाम बायपास रोड पर प्राथमिक स्कूल के पास रात 12.45 बजे चिरी गला मसाला, वापी निवासी आरिफ सामु उल्लाह खान को पकड़ा गया, जबकि सरीगाम जीआईडीसी मैकलियोड कंपनी के पास सुबह 3 बजे चिरी गायत्री बिल्डिंग, वापी निवासी मुनीजर परशुराम यादव को पकड़ा गया। जब उनसे उनकी आजीविका और रिश्तेदारों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अस्पष्ट जवाब दिए। भिलाड पुलिस ने दोनों को संपत्ति से संबंधित संज्ञेय अपराध के मामले में गिरफ्तार किया है और आगे की जांच कर रही है।

कंजर गिरोह का एक और आरोपी गिरफ्तार: 1.27 करोड़ रुपए की लूट के मामले में 4 साल से फरार चल रहे आरोपी को डूंगरी पुलिस ने दबोचा

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड जिले की डुंगरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 1.27 करोड़ रुपये की लूट के मामले में पिछले चार साल से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के देवास जिले के रहने वाले महेश राधेश्याम सिसोदिया (43) के रूप में हुई है। वलसाड एसपी डॉ. करणराज वाघेला के निर्देश और डीवाईएसपी भार्गव पंड्या और एलसीबी पीआई उत्सव बारोट के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। डुंगरी थाने की पीआई उर्वशी पटेल के नेतृत्व में टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। वर्ष 2021 में दर्ज मामले में आईपीसी की धारा 395, 120(बी), 34, 365, 465, 468, 471 के तहत अपराध दर्ज किया गया था। 15 जून 2024 को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को डुंगरी ओवरब्रिज से गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ पहले भी तीन अपराध दर्ज हैं। टोंकखुर्द थाने में धमकाने और मारपीट का मामला, कसौला थाने में लूट का मामला और पीपलरावा थाने में मारपीट का मामला दर्ज है। पिछले चार दिनों में डूंगरी पुलिस ने इस मामले में शामिल कुल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही मामले में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी पूरी हो गई है।

"खानवेल में फिर अवैध शराब कांड! प्रशासन की चुप्पी ने तंत्र की नीयत पर उठाए सवाल"

"बुटलेगर कौन? प्रशासन मौन! होटल का नाम छुपाने की नीति कब बदलेगी?"

अवैध शराब के जाल में उलझा तंत्र – कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति!

"क्या नेताओं की होटल में बिक रही थी शराब? आबकारी विभाग की कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल"

डेयर टू शेयर - खानवेल

बीते सोमवार की रात दादरा नगर हवेली के खानवेल क्षेत्र में आबकारी विभाग ने एक बार फिर अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी करते हुए बड़ी मात्रा में शराब जब्त की। बताया जा रहा है कि लगभग 1000 बोतल अवैध शराब बरामद की गई है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर किसकी होटल में यह शराब मिली? किसका स्टॉक था? और सबसे अहम – क्या विभाग जानबूझ कर बुटलेगर का नाम छुपा रहा है? इस इलाके में अवैध शराब पकड़ने की ये कोई पहली घटना नहीं। खानवेल लंबे समय से बुटलेगरों का गढ़ बन चुका है, और यह सब तंत्र की नाक के नीचे खुलेआम चल रहा है। पहले भी कई बार होटल मालिकों के यहां से शराब जब्त हुई है, लेकिन प्रशासन हर बार होटल और मालिक का नाम छुपाने का बहाना बना देता है। "जांच जारी है" – यही जवाब हर बार क्यों? हर बार की तरह इस बार भी प्रशासनिक रवैया वही रहा – "फिलहाल जांच जारी है, नाम नहीं बताएंगे।" मीडिया प्रतिनिधियों के फोन तक रिसीव नहीं किए जा रहे। सवाल यह भी है कि अगर प्रशासन निष्पक्ष है तो बुटलेगर का नाम और होटल सार्वजनिक करने में डर किस बात का है? सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाएं और राजनीतिक लिंक इस बार सोशल मीडिया पर वायरल खबरों के अनुसार, एक प्रमुख राजनीतिक दल के पदाधिकारी की होटल पर छापेमारी हुई और वहीं से बड़ी मात्रा में शराब जब्त की गई। अगर इसमें सच्चाई है, तो तंत्र की चुप्पी समझ में आती है – लेकिन क्या प्रशासन जनता को मूर्ख समझता है? प्रदेशवासी पूछ रहे हैं – क्या शराब कारोबार को मिल रहा राजनीतिक संरक्षण? प्रदेशवासी यह भलीभांति जानते हैं कि खानवेल के किन रसूखदारों की शह पर शराब का अवैध धंधा फलफूल रहा है। फिर भी प्रशासनिक तंत्र हर बार मामले को दबाने और बुटलेगरों को बचाने का काम करता है। ऐसे में जनता के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि कहीं सत्ता और शराब माफिया की सांठगांठ तो नहीं? क्या प्रेस नोट आएगा या फिर मामला रफा-दफा कर दिया जाएगा? अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या विभाग सार्वजनिक रूप से प्रेस नोट जारी कर इस छापेमारी की पूरी जानकारी देगा? या फिर पिछली बार की तरह सबकुछ फाइलों में ही दबा दिया जाएगा? सवाल बरकरार है – कौन है बुटलेगर? नाम बताने से तंत्र डर क्यों रहा है? क्या इस बार भी रसूख के आगे तंत्र नतमस्तक हो जाएगा?

सामाजिक कार्यकर्ता, फिल्म निर्माता, इंडिया मीडिया लिंक के वरिष्ठ पत्रकार, श्री.के.रवि (दादा) की माताजी बुद्धवासी श्रीमती यशोदा शिवाजी दुपारगुडे का गुरुवार, 12 जून, 2025 को वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया।
उनके पुण्यमोदन का कार्यक्रम रविवार, 15 जून, 2025 को मुंबई, घाटकोपर (पूर्व) के गरोडिया नगर स्थित 'लैवेंडर बो' सभागार में संपन्न हुआ।
इस अवसर पर फिल्म उद्योग के कई कलाकारों के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक और श्रम क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने के. रवि (दादा) की मातोश्री यशोदा शिवाजी दुपारगुडे को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

दमन में 8 घंटे में सात इंच बारिश

डेयर टू शेयर - दमन

दमन में, मेधराजा ने गुरुवार सुबह बिजली गिरी थी। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक दमन में सात इंच बारिश के साथ, मौसम की कुल बारिश 14 इंच तक पहुंच गई है। जिसमें 1 बस का टायर फंस गया, 2 पेड़ गिर गए, 8 स्थानों पर पानी भर गया, शाम 5 बजे तक जिला आपातकालीन संचालन केंद्र, दमन में कुल 11 शिकायतें दर्ज की गईं। ये सभी शिकायतें जिला आपातकालीन संचालन केंद्र, दमन में प्राप्त हुईं और पीडब्ल्यूडी, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं दमन, ग्राम पंचायत सचिव, वन विभाग और दमन नगर परिषद की एक टीम द्वारा समन्वयित की गईं और सभी शिकायतों का तुरंत समाधान किया गया। जिला प्रशासन की टीम ने तुरंत कार्रवाई की। गुरुवार दोपहर को मधुबन जलाशय के आठ गेट खोल दिए गए और एक लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया और दमनगंगा नदी दोनों किनारों पर बह गई

भिलाड में ट्रक से 9.24 लाख रुपये की शराब के साथ 2 गिरफ्तार

डेयर टू शेयर - भिलाड

भिलाड पुलिस ने सूचना के आधार पर हाईवे नारोली ओवरब्रिज के नीचे निगरानी स्थापित की थी। सेलवास से सूरत आ रहे एक टाटा बल्कर ट्रक क्रमांक जीजे 05 बीएक्स 9416 को रोककर सीमेंट टैंक में तलाशी ली गई तो 103 पेटियों में 924384 रुपए कीमत की 4320 बोतल शराब मिली। ट्रक चालक महेंद्र अमृत लाल पाल और क्लीनर सिद्धार्थ नाथ को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान 5000 रुपए कीमत का मोबाइल फोन मिला। टाटा ट्रक की कीमत 10 लाख रुपए पाई गई और कुल 1929384 रुपए जब्त किए गए। घटना के संबंध में भिलाड थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। इतनी बड़ी मात्रा में शराब कहां से लोड की गई थी और कहां ले जाई जानी थी, इसका पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

सलोनी राय उपायुक्त उधमपुर द्वारा दानह भारत स्काउट गाइड मनाली लेह लद्दाख जम्मू कश्मीर का सफल समापन

डेयर टू शेयर - सिलवासा

भारत स्काउट गाइड दादरा नगर हवेली दमन दीव, लेह लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर तीनों संघ प्रदेश के प्रयटन स्थल को जोड़ने सराहनीय कदम - सलोनी राय 53 सदस्यों में महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, साउथ ईस्ट सेंट्रल रेल्वे, वेस्ट बंगाल सम्मिलित हुए खेल मंत्रालय एवं युवा मामले के अंतर्गत दानह भारत स्काउट गाइड द्वारा एक सराहनीय प्रयास दादरा नगर हवेली दमन दीव, लेह लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर तीनों संघ प्रदेशों के पर्यटन स्थल को जोड़ने का सराहनीय प्रयास सफल हुआ इसमें कुल 53 सदस्यों में महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, साउथ ईस्ट सेंट्रल रेल्वे, वेस्ट बंगाल सम्मिलित हुए इस समर कैंप में सिलवासा

से चंडीगढ़, मनाली, रोहतांग पास, सोलंगवेली, सर्चू, लेह, नुब्रा वेली, पेंगोंग लेक, कारगिल, सोनमर्ग, श्रीनगर, उधमपुर से कटरा वैष्णोदेवी में जाकर सम्पन्न हुआ इसमें प्रमोद पटेल, पृथ्वी पटेल, निखिल मूलवानी, ललिता ससिधरण, कविता वाणी, आनंद वाणी, डॉ रूपेश भावसार एवं दादरा नगर हवेली दमन दीव संघ प्रदेश प्रशासन का मुख्य योगदान रहा जिसका सफल समापन समारोह उधमपुर उपायुक्त श्रीमती सलोनी राय के सभागार एवं उपस्थिति में विधिवत किया गया जिसमें जम्मू कश्मीर भारत स्काउट गाइड के उपाध्यक्ष अशोक कुमार, जिला सचिव वीणा शर्मा, जोनल आयुक्त विमल शर्मा, मुख्यालय आयुक्त वेद कुमार, जिला आयोजक आयुक्त स्काउट राकेश शर्मा, युवा सदस्य गाइड कैप्टन पल्लवी राजपूत, चाहत ठाकुर एवं राज्य मुख्यालय से राज्य समन्वयक हारून मलिक की खास उपस्थिति रही इस समापन समारोह में वीणा शर्मा ने सलोनी राय का स्वागत स्कार्फ, टोपी, साफा, स्मारिका भेंट कर किया जिसके बाद सभी दानह वासियों एवं अन्य राज्यों से आए हुए सदस्यों के साथ साथ राज्य आयोजक आयुक्त स्काउट सुधांशु शेखर का खास कर उनके जज्बे को देख उत्साह बढ़ाया कि इस भयावह स्थिति में भी 53 सदस्यों की संख्या के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया साथ ही सभी देश वासियों से भी अपील किया कि जम्मू कश्मीर जिसे जन्नत माना जाता है सभी पर्यटक आएं एवं इसका आनंद उठाएं जिससे जम्मू कश्मीर के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा इसके बाद सभी को प्रमाणपत्र एवं स्मारिका भेंट कर सम्मानित कर विधिवत सफल समापन किया गया

पारडी आदर्श आवासीय बालिका विद्यालय में 10 साल से स्थाई प्राचार्य की नियुक्ति नहीं

डेयर टू शेयर - पारडी

पारडी कॉलेज के पीछे आदिवासी विकास विभाग गांधीनगर द्वारा आदर्श आवासीय बालिका विद्यालय कक्षा 9 व 10 का संचालन किया जा रहा है, जहां पिछले आठ-दस वर्षों से प्रभारी प्राचार्य कार्यरत हैं। स्थाई प्राचार्य नहीं होने से छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उधर, कपराड़ा, धरमपुर, वलसाड व उमरगाम में आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्राचार्यों की नियुक्ति की गई है। पारडी कॉलेज के पीछे आदिवासी विकास विभाग गांधीनगर द्वारा संचालित आदर्श आवासीय बालिका विद्यालय गांधीनगर में करीब 80 गरीब आदिवासी छात्राएं पढ़ती हैं। विद्यालय में खेल के मैदान की सुविधा नहीं है। उधर, शिक्षिका के पद पर कार्यरत पायलबेन भी प्रभारी प्राचार्य के पद पर कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति यहां शिक्षिका के पद पर हुई थी। हालांकि, वे पिछले 10 वर्षों से प्रभारी प्राचार्य के पद पर ही कार्यरत हैं। जिससे छात्रों की पढ़ाई सीधे तौर पर प्रभावित हो रही है। शिक्षा विभाग अभिभावकों से इस मामले की ओर ध्यान आकर्षित कर स्थाई रूप से प्राचार्य नियुक्त करने की मांग कर रहा है। हालांकि कपराडा, धरमपुर, वलसाड और उमरगाम के आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रिंसिपल की नियुक्ति की गई है, लेकिन पारडी के आदर्श आवासीय बालिका विद्यालय में प्रिंसिपल की नियुक्ति क्यों नहीं की गई है, इसे लेकर कई सवाल उठ रहे हैं।

वापी चला जीएसटी रोड गड्ढे भरने के 24 घंटे के भीतर बह गया

डेयर टू शेयर - वापी

वापी से जीएसटी भवन तक सर्विस रोड तो बना दी गई, लेकिन डामर रोड की गुणवत्ता को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। वापी झंडा चौक से जीएसटी भवन तक नवनिर्मित सर्विस रोड की लंबाई जितनी है, उतनी पहली बारिश में ही गड्ढे पड़े हैं। बारिश के मौसम में रेलवे फाटक से आने-जाने वाले वाहन चालकों के लिए लाइफलाइन माने जाने वाले इस रोड की हालत शुरुआती बारिश में ही दयनीय हो गई है और वाहन चालक पूरी बारिश कैसे गुजरेंगे, इसकी चिंता बनी हुई है। यहां से सबसे ज्यादा वाहन चालक गुजरते हैं। हालांकि सर्विस का काम ठीक से नहीं होने के कारण पहली बारिश में ही गड्ढे पड़ गए हैं। सड़क एवं भवन विभाग के काम को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। वहीं स्टेशन रोड का आरसीसी का काम अधूरा होने से वाहन चालक परेशान हैं।

वलसाड नगर पालिका को 5 प्रतिशत छूट योजना के तहत 6 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड नगर पालिका में संपत्ति कर वसूली के लिए 1 जून से शुरू की गई 5 प्रतिशत छूट योजना के तहत अब तक 6 करोड़ रुपए से अधिक की वसूली हो चुकी है। नगर पालिका क्षेत्र में पंजीकृत कुल 43 हजार से अधिक संपत्ति मालिकों का इस वर्ष 16 करोड़ रुपए से अधिक बकाया है। छूट योजना के तहत अब तक 18 लाख रुपए से अधिक का मुआवजा दिया जा चुका है। नगर पालिका हर साल छूट योजना लागू करती है। चालू वर्ष 2025-26 के लिए संपत्ति कर का भुगतान करने वाले संपत्ति मालिकों को 5 प्रतिशत छूट का प्रावधान 1 जून 2025 को उपाध्यक्ष आशुतोष मिश्रा द्वारा शुरू किया गया था। कार्यक्रम में नगर पालिका के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष देसाई, महिला सदस्य अलकाबेन देसाई और अधीक्षक रमणभाई राठौड़ उपस्थित थे। सीओ कोमलबेन घिनैया और नगरपालिका अध्यक्ष तथा पार्षदों ने शहर के सभी संपत्ति मालिकों से अनुरोध किया है कि वे 30 जून 2025 की अवधि समाप्त होने से पहले अपने संपत्ति कर का भुगतान करें और 5 प्रतिशत छूट का लाभ उठाएं। इसके बाद यानी 1 जुलाई 2025 से करदाता पर जुर्माना लगाया जाएगा और वसूली की जाएगी। वलसाड नगरपालिका के गृहकर विभाग ने भी निवासियों को चेतावनी दी है कि वे छूट का अवसर न चूकें और जल्द से जल्द भुगतान करके योजना को लाभदायक बनाएं।

“दुख की घड़ी में संघ प्रदेश प्रशासन पीड़ितों के साथ” – प्रशासक ने जताई संवेदना

विमान हादसे के पीड़ितों के परिजनों से मिले प्रशासक प्रफुल पटेल

डेयर टू शेयर - अहमदाबाद

हाल ही में हुई विमान दुर्घटना से प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन और दीव के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल जी ने अहमदाबाद में विशेष पहल करते हुए व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। विशेषकर दीव जिले से संबंधित मृतकों व घायलों के परिवारों से उन्होंने गहरी संवेदना प्रकट की और दुख की इस घड़ी में ढांढस बंधाया। माननीय प्रशासक ने कहा कि संघ प्रदेश प्रशासन हरसंभव मदद और सहयोग के लिए तत्पर है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, “यह दुख केवल परिवारों का नहीं बल्कि पूरे संघ प्रदेश का है, और प्रशासन हर परिस्थिति में आपके साथ खड़ा है।” प्रशासक श्री पटेल ने यह भी

सुनिश्चित किया कि प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक

सहायता, मुआवजा और सुविधा समयबद्ध रूप से मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवारों की तत्काल और दीर्घकालिक सहायता सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। संवेदनशील नेतृत्व की मिसाल बने प्रफुल पटेल पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर दिखाया मानवीय नेतृत्व का भावुक पक्ष प्रशासक प्रफुल पटेल का यह मानवीय कदम उनके संवेदनशील और जनहितकारी नेतृत्व का प्रतीक है, जिसे स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने भी सराहा। उनके इस दृष्टिकोण से यह स्पष्ट हुआ कि प्रशासन न केवल कागजों तक सीमित है, बल्कि वास्तविक ज़रूरत की घड़ी में भी वह आम जनमानस के साथ मजबूती से खड़ा रहता है।

"सिलवासा में खौफनाक हत्याकांड: आरोपी की तलाश जारी, इलाके में दहशत का माहौल"

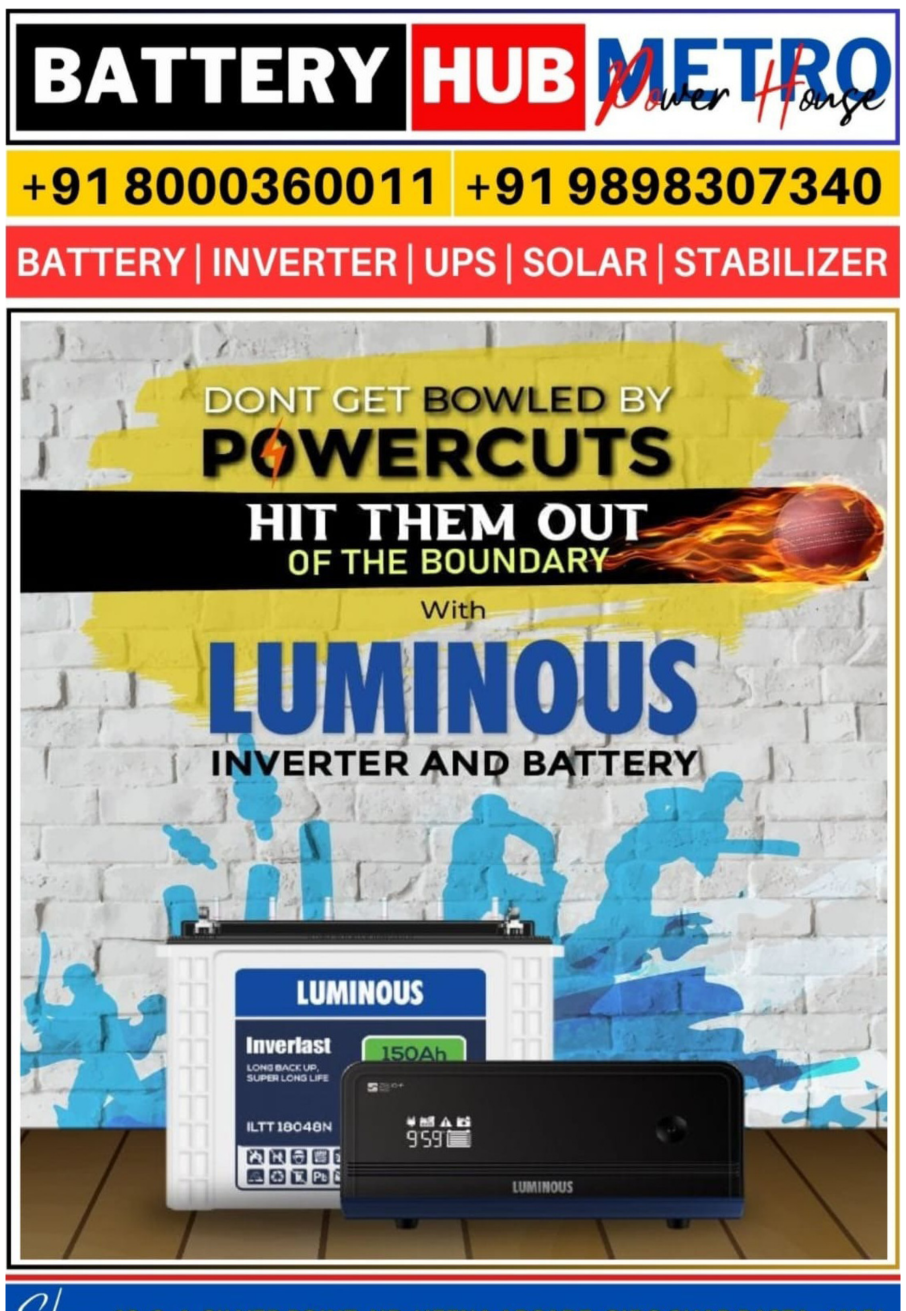

कुणाल हत्याकांड: भ्रष्टाचार उजागर करने की कीमत जान देकर चुकाई?

ड्यून टेप कम्पनी में भंगार घोटाले का भंडाफोड़ करने वाले युवक की हत्या, पुलिस और प्रशासन कटघरे में

डेयर टू शेयर - सिलवासा

भ्रष्टाचार और संगठित अपराध के खिलाफ आवाज़ उठाना युवा कुणाल प्रसाद को भारी पड़ गया। ड्यून टेप कंपनी में भंगार चोरी का खुलासा करने की कोशिश करने वाले कुणाल की खौफनाक अंदाज में हत्या कर दी गई। आरोप है कि कंपनी से जुड़े रसूखदार लोगों ने उसे सरेआम अगवा कर मौत के घाट उतार दिया। पूरा शहर स्तब्ध है और परिजन न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। SK मोबाइल से किया गया अपहरण, गलोंडा में मिला खून से सना शव* प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम करीब 5 बजे आमली स्थित SK मोबाइल की दुकान से करीब 20 से 25 लोग कुणाल को जबरन उठाकर ले गए। दो रिक्शा और एक फोर व्हीलर में भरकर उसे ले जाया गया। कुछ ही देर बाद गलोंडा क्षेत्र में शिवम ढाबा के पास नहर किनारे उसका खून से लथपथ शव मिला। छह महीने पहले हुई थी शादी, माता-पिता का इकलौता बेटा था कुणाल मृतक के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। कुणाल की शादी को अभी सिर्फ छह महीने ही हुए थे। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने अपहरण की सूचना देने के बावजूद शिकायत दर्ज करने में देरी की। भंगार घोटाले की सच्चाई लेकर मुंबई तक पहुंचा था कुणाल सूत्रों के अनुसार, कुणाल के पास ड्यून टेप कंपनी के भीतर चल रहे भंगार घोटाले के पुख्ता सबूत थे, जिन्हें वह कंपनी के मुंबई हेड ऑफिस तक लेकर गया था। इस कारण वह कई लोगों के निशाने पर आ गया था।

पुलिस थाने में दी गई थी जान से मारने की धमकी, कोई कार्रवाई नहीं (सूत्र)* जानकारी मिली है कि कुछ दिन पहले सिलवासा पुलिस स्टेशन में परवेज शेख, विजय चौहान और कुणाल को बुलाया गया था, जहां अश्विन गर्डे, करण सिंह और उनके साथियों ने उन्हें खुलेआम जान से मारने की धमकी दी। बावजूद इसके पुलिस ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। फॉरेंसिक वैन पर टिकी उम्मीदें, साइंटिफिक जांच से खुलेगा राज?* प्रशासन ने अब हाईटेक फॉरेंसिक वैन को जांच में शामिल किया है। डीएनए, फिंगरप्रिंट, ब्लड सैंपल और डिजिटल डेटा को खंगाला जा रहा है। माना जा रहा है कि वैज्ञानिक जांच से जल्द आरोपियों की शिनाख्त की जाएगी। कुणाल की हत्या महज एक व्यक्ति की जान नहीं गई, बल्कि यह एक चेतावनी है उन सभी के लिए जो सच्चाई के लिए लड़ते हैं। यह केस केवल हत्या नहीं, बल्कि पुलिस प्रणाली और शासन व्यवस्था की भी एक बड़ी परीक्षा है। *यह लड़ाई अब केवल कुणाल की नहीं, हर उस नागरिक की है जो अन्याय के खिलाफ बोलने की हिम्मत रखता है।*

जनता और मीडिया की मांग:
* आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी
* पुलिस अधिकारियों की उच्चस्तरीय जांच
* शिकायतों पर लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई
* मृतक के परिवार को सरकारी सुरक्षा और मुआवज़ा

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे नाम, जनता मांग रही न्याय

अश्विन गर्डे और करण सिंह गिरोह पर उंगलियां उठ रही हैं। जनता का आक्रोश सोशल मीडिया पर फूट रहा है। लोग दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। सिर्फ हत्या नहीं, सिस्टम पर हमला है यह वारदात*

क्या पुलिस की निष्क्रियता कुणाल की हत्या की ज़िम्मेदार है?

कई मौकों पर धमकियों की शिकायत देने के बावजूद केवल 151 जैसी मामूली धाराएं लगाकर आरोपियों को छोड़ा गया। सवाल उठता है कि क्या पुलिस जानबूझकर प्रभावशाली लोगों को बचा रही थी? क्या कोई अंदरूनी सांठगांठ इस खूनखराबे की वजह बनी?

"अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा: डीआईजी अमित शर्मा ने कहा – कानून के हाथ लंबे हैं"

"सिलवासा हत्याकांड पर डीआईजी का एक्शन मोड, अब नहीं बचेगा कोई भी दोषी"

डेयर टू शेयर - सिलवासा

सिलवासा में दिनदहाड़े हुए अपहरण और युवक कुणाल प्रसाद की हत्या ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। इस वीभत्स घटना के बाद संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव के डीआईजी अमित शर्मा ने मोर्चा संभालते हुए प्रेस वार्ता में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का ऐलान किया। डीआईजी ने साफ किया कि यह न केवल सुनियोजित हत्या है बल्कि यह समाज की सुरक्षा पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, "कोई भी दोषी बच नहीं पाएगा, चाहे वह कितना भी रसूखदार हो।" उन्होंने प्रदेश को चेताया कि यह इलाका

शांतिप्रिय है और इसे अपराधियों की जमीन नहीं बनने दिया जाएगा। अब तक की कार्रवाई: नाशिक पुलिस की मदद से अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है — कौशल आचार्या, प्रेम रामपुरकर, ओमप्रकाश सिंह, आनंद शेषनाग, संतोष अजय जादव, नीलेश हलपति, मोदी कुमार संतोष पासवान और जगन कुमार पटेल — जिन्हें सिलवासा पुलिस के हवाले कर दिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी है। डीआईजी अमित शर्मा ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया और कहा कि इस मामले में सिर्फ कार्रवाई नहीं, बल्कि मिसाल पेश की जाएगी ताकि भविष्य में कोई अपराध करने से पहले सौ बार सोचे।

वापी में खाई में गिरकर रिक्शा पलटा

डेयर टू शेयर - वापी

वापी देसाईवाड़ में बुधवार को खड़कला की ओर जा रहा एक रिक्शा खाई में गिरकर पलट गया। जिससे अंदर बैठी तीन महिलाओं को मामूली चोटें आईं। जबकि चालक के पैर में फ्रैक्चर होने पर उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बुधवार को वापी में नवा गरनाला के पास कुंभारवाड़ में रहने वाले रिक्शा चालक मिथिलेश मिश्रा तीन महिलाओं को रेलवे स्टेशन से देसाईवाड़ के रामा रेजीडेंसी ले जा रहे थे। इसी दौरान तेज बारिश के कारण रिक्शा देसाईवाड़ रोड पर नीलकंठ बिल्डिंग के सामने सड़क पर बने गड्ढे में जा घुसा। रिक्शा चालक को मामूली चोटें आने पर तत्काल इलाज के लिए वापी के जनसेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि रिक्शा चालक के दोनों पैरों में चोट आने पर उसे तत्काल इलाज के लिए वापी के जनसेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने दोनों पैरों में फ्रैक्चर बताया

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : संध्या चौहान द्वारा 15, 78, सी-6-2, खारीवाड़ नानी दमण (दमण-दीव) से प्रकाशित तथा ताप्तीलोक पब्लिकेशन, 152-153, श्री राम इंडस्ट्रीयल इस्टेट, मोजे भेडवार, पांडेसरा, सूरत से मुद्रित।
संपादक : मनोज रावल, मोबाईल नं. 8000360011 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।) किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दमण होगा।